

केंद्रीय मंत्री ने जनजातीय संस्कृति केंद्र का शिलान्यास किया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री; कृषि एवं किसान कल्याण अर्जुन मुंडा ने वरचुअल माध्यम से झारखंड के सरायकेला खरसावां ज़िले में **जनजातीय संस्कृति और वरिष्ठ के संरक्षण एवं संवर्धन केंद्र** की आधारशिला रखी।

मुख्य बंदि:

- यह संग्रहालय **झारखंड राज्य में आदवासी समुदाय की समृद्ध वरिष्ठ को चतिरति करने** और संरक्षति करने का एक प्रयास है, साथ ही समृद्ध आदवासी जीवन शैली एवं संस्कृति को प्रदर्शति करता है।
 - केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने केंद्र की स्थापना हेतु 10 करोड़ रुपए का बजट आवंटति करके इस पहल को स्वीकृति दे दी है।
 - इस केंद्र को भवषिय में एक जीवंत केंद्र के रूप में वकिसति करने का लक्ष्य है, **जसिमें कारीगरों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने** और पर्यटन के केंद्र के रूप में कार्य करने के लयि जगह मलिंगी।
 - यह क्षेत्र की भौतिक और अमूरत जनजातीय संस्कृति, इसके इतहिस एवं वरिष्ठ का प्रदर्शन करेगा।
- एक अन्य कार्यक्रम में, उन्होंने नई दलिली में **भारतीय आदमि जार्त सेवक संगठन (BAJSS)** में केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्रालय द्वारा वतित पोषति हाल ही में पुनर्रमिति **राष्ट्रीय अदवतीय जनजातीय संग्रहालय, ई-लाइब्रेरी और एसटी गर्ल्स हॉस्टल** का भी उद्घाटन कयि।
 - BAJSS की स्थापना **वर्ष 1948 में अमृतलाल वटिठलदास ठक्कर द्वारा** की गई थी, जनिहें ठक्कर बापा के नाम से जाना जाता था, जो एक भारतीय सामाजकि कार्यकर्त्ता थे, जनिहोंने आदवासी लोगों के उत्थान के लयि कार्य कयि था।